Impact Factor: 3.012

1

नोट बंदी की वजह से किसानों और मंडी व्यापारी पर असर –

मेघा जैन

शोधार्थी, वाणिज्य,

सत्य साई युनिवेर्सिटी, सीहोर (म.प्र.)

प्रस्तावना –

08 नवंबर 2016 नोट बंदी का असर किसानों और व्यापारियो पर हुआ देश की जयादातर मंडियो मे नोट न होने की वजह से मंदी का असर आ गया। सरकार द्वारा 1000 और 500 के नोट तो बंद कर दिये गये एवं व्यापारियों के पास किसी तहर लोग 2000 के नोट लेकर जाते तो उसके छुट्टे न होने की वजह से व्यापारियों के सामने बड़ी समस्याएं उत्पन्न हुई जिससे उनके सामने अपने कारोबार बंद करने की नौबत आ गई थी। नोट बंदी का कृषि व्यापार पर बुरा असर देखा गया। कहीं मंडियों मे आक्शन बंद थे तो कही किसानों का माल खराब हो गया किसानों को नई फसल और खर्च के लिए कैश की जरूरत रहती थी। कैश न होने के कारण उनके सभी काम रूके थे। किसान तो कैश न मिलने से परेशान थे साथ ही साथ कृषि से जुड़ा हर व्यापारी समस्याओं से घिर रहा था।

केन्द्र सरकार द्वारा नोटबंदी के चलते राज्य में कृषि प्रभावित हो रही थी। इसके अंतर्गत किसानो के सामने प्रमुख ''रबी'' फसलों की बुआई को लेकर संकट दिखाई दे रहा था। गेंहू की बुआई बुरी तरह से प्रभावित हो रही थी इस वर्ष के अच्छे मानसून के चलते खरीफ फसलों की अच्छी पैदावार और भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार की अपेक्षा की जा रही थी। नई खरीफ फसलों की भी बिक्री पर ब्रेक लग गया। क्योंकि गेहूं की बुआई के लिए समय बहुत कम होता है। धान सहित खरीफ फसलों की कटाई मडाई के बाद 20–25 दिनों के अंदर खेतों की जुताई और फसल की बुआई करनी होती है लेकिन पुराने नोट बंद होने के चलते दुकानदार उन्हें नहीं ले रहे थे। जिससे किसान और व्यापारी वर्ग बहुत कठिनाई उठा रहे है।

परिणाम एवं चर्चा –

नोटबंदी के चलते हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंड़ी में नोट बंदी के चलते कारोबार 50 फीसदी तक गिर गए सालाना 400 करोड का कारोबार करने वाली सोलन की इस मंडी में आढतियों और किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा प्रदेश के अन्य जिलो के किसान पैदावार लेकर मंडी तक नहीं पहुंच पा रहे थे। आस–पास के क्षेत्रों से जो किसान फसल लेकर आ रहे थे उन्हें देने के लिए आढतियों के पास 100, 50, 2000 के नोट नहीं थे।

इस प्रकार की बहुत सी परेशानियों का सामना व्यापारियों को करना पड़ा। किसान न तो फसल ला रहे थे ना ही पैमेंट के लिए व्यापारियों के पास पैसा था। चेक भी तभी देते जब अकाउंट में पैसा होता। 08 नवम्बर से लगभग 02 से 03 सप्ताह तक के दिन बहुत बुरे निकले। मंडियो में जो मजदूर दैनिक मजदूरी पर रहते थे उन्हें पैसा उपलब्ध नहीं हो पाया किसानों ग्रामीण आंचल में संचालित बैंक शाखाओं से न तो पर्याप्त नकदी बदल पा रहे थे और न ही उनके नोट जमा हो रहे थे। गल्ला मंडी व्यापार 09 नवंबर से पूर्णतः ठप था कृषि विभाग के केंद्रो पर गेंहू के बीज की उपलब्धता होते हुए नोट बंदी के चलते भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। कृषि विभाग ने तो 500 और 1000 के नोट स्वीकार न करने के संबंध में नोट चिपकवा कर रखे थे। किसान बैंको में कतार लगाए थे लेकिन बैंको में नकदी का संकट था जिससे किसानों को नोट बदलने में सफलता नहीं मिल पा रही थी।

पंजाब हरियाणा, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्य है। नबम्बर–दिसम्बर के महीने में खरीफ फसलों की कटाई और रबी फसलों की बुआई पूरे चरम पर होती है ''किसानों से बात करने पर उन्होंने बताया कि हमारी कोशिश होती है कि 15 नवम्बर तक खरीफ फसल बेच दे ताकि गेहूं की बुआई की लागत जुटा सकें''। इस समय किसानों को बीज, डीजल, उर्वरक आदि की सख्त जरूरत होती है। लेकिन कोई पुराने नोट नहीं ले रहे थे जिससे बुआई में परेशानी का सामना करना पड़ा ''हिन्दुस्तान टाइम्स से कृषि निर्देशक ने बात करते हुए बताया कि बुआई का सबसे अच्छा समय 15 नवंबर से पहले का होता है इसके बाद बुआई का मतलब लगभग 1.5 क्विंटल प्रति एकड के हिसाब से उपज का नुकसान उन्होंने बताया कि राज्य में प्रति एकड 18–20 क्विंटल औसतन गेहूं उत्पादन होता है'' नकदी की कमी के चलते म.प्र. की मंडियो में काम ठप था। म.प्र. के सागर जिले के किसान का कहना था कि गेहूं के उत्पाद को मंडी में बेचने के लिए यह सबसे अच्छा समय है लेकिन उस समय उनके अनाज को कोई लेने को तैयार नहीं थे क्योंकि मंडीयो में नकदी नहीं थी।

नोट बंदी के फायदे :–

1. केशलेस ट्रांजेक्शन की तरफ देश बड़ा।
2. डिजिटल इंडिया पर हम आगे बड़े है।
3. नोटबंदी के बाद भृष्टाचारियों पर शिकंजा कसा।
4. तिजोरियों का पैसा बैंक में आया।
5. बैंक में जमा पैसे से बाजार में नगदी बढ़ेगी।
6. अचानक 12 लाख करोड जमा होने से बैंक मजबूत हुए।
7. कैश की कमी तो फिजूल खर्च कम हुए।

नोट बंदी के नुकसान :–

1. एक महीने तक बैंक और एटीएम की लाईन में देश खड़ा था।

2. कैश के लिए परेशान।
3. लाइन में लगने और पैसे ना होने के सदमें से कई लोगो की मौत हुई।
4. हजारों लोगो का रोजगार छिन गया।
5. छोटे व्यवसाय ठप।
6. गांव में किसान परेशान थे जिसका असर खेती पर पड़ा।
7. देश की विकास दर भी घटने का अनुमान जताया गया।

निष्कर्ष :–

नोट बंदी को लेकर इस लेख से किसान और मंडी व्यापारियों पर जो प्रभाव पड़ा उसका हमने विवरण दिया जिसमें हमने बताया कि किस प्रकार कृषि विकास पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा लेकिन नोटबंदी का निर्णय लेकर इसका कुछ समय के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन इसकी वजह से भृष्टाचार, कालाधन, सामने आया बैंको की स्थिति में सुधार आया। इस प्रकार जहां घाटा हुआ वहीं उसके फायदे भी हमने बताए। नोटबंदी से पैसा डिजिटल अदान–प्रदान से ज्यादा सुरक्षित रहेगा। करेंसी के संचालन में कम खर्च और नकली करेंसी के संचालन में कम खर्च और नकली करेंसी पर लगाम आदि कई फायदे हमने देखे।

वित्त मंत्री जी ने आर्थिक स्थिति में सुधार के दावे के साथ कई तरह के सरकारी आंकडे भी पेश किये। उनके मुताबिक 19 दिसम्बर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह में 14.4 और अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में 26.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई वित्त मंत्रीजी का यह भी कहना था। कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की वसूली में 43.3 और सीमा शुल्क की वसूली में 6% और जीवन बीमा कारोबार में 213 प्रतिशत की बढोत्तरी देखी गइ।

वित्तमंत्री जी के आंकडो के मुताबिक पर्यटन उद्योग म्यूचूअल फंड योजनाओं में निवेश, बैंको की कर्ज देने की क्षमता और पेट्रोलियम उपभोग में भी वृद्धि दर्ज की गई।

संदर्भ सूची :–

1. हिन्दुस्तान टाईम्स
2. सत्यागृह 29.12.16
3. epaper.patrika.com
4. news18hindi.com

❑❑❑